Publication : Pioneer Hindi	Edition : Lucknow
Date : August 09, 2019	Page: 5

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 9 अगस्त 2019

प्रदेश के विकास में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम ने की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक की अध्यक्षता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां लाल बहादुर शास्त्री भवन में आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सुदृढ़ आर्थिक विकास में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा 1500 करोड़ रुपए के ऋण की मंजूरी के लिए बैंक को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की मदद से उत्तर प्रदेश के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में संस्थागत वित्त विभाग तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के समन्वित प्रयासों से एक लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित करने हेतु ई-लॉन्चिंग की। उन्होंने इसमें और अधिक गति लाते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि प्रदेश के अधिकांश किसानों को इससे आच्छादित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 25 लाख किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लक्ष्य को शीघ्र हासिल किया जाए। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए पूरे प्रदेश में और अधिक बैंक शाखाएं स्थापित किए जाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अन्तर्गत खोले गए खाते, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बैंकों से अपेक्षा की कि वे अधिकाधिक व्यक्तियों को इन योजनाओं से लाभान्वित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इनमें बैंकर्स द्वारा निवेश की

अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं जिससे भविष्य में प्रदेश के ऋण जमा अनुपात को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बैंकर्स से किसानों को कृषि मशीनरी एवं कृषि यंत्रों के लिए प्राथमिकता के आधार पर ऋण देने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध संसाधनों को बढ़ाते हुए प्रदेश की विकास दर को 10 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के स्तर पर ऋण जमा अनुपात 78 प्रतिशत है जबकि प्रदेश का ऋण जमा अनुपात मात्र 57 प्रतिशत है। उन्होंने इसे बढ़ाकर देश के ऋण जमा अनुपात के स्तर तक लाने की बैंकर्स से अपेक्षा की। उन्होंने इसके लिए बैंकर्स से क्रेडिट कैम्पों का आयोजन करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त माध्यम है। इसमें विस्तार की अपार सम्भावनाएं व्याप्त हैं। साथ ही प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप स्कीम एक जनपद-एक उत्पाद योजना भी संचालित की जा रही है। इस योजना को सफल बनाने के लिए पूर्व में बैंकों द्वारा 01 हजार करोड़ रुपए से अधिक के ऋण वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बैंकों से इसमें और अधिक गतिशीलता लाने की अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विगत दो वर्षों में पूरे प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनाया गया है जिसके चलते अब निवेशक प्रदेश का रुख कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने में निवेशकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत की वर्ष 2024 तक 05 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में उत्तर प्रदेश का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2024 तक उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के साथ देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उद्यमियों व निवेशकों की सहभागिता से प्रदेश में विकास की सम्भावनाओं के नये द्वार खुलेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केन्द्र व राज्य द्वारा प्रायोजित योजनाओं की सफलता की कहानी पुस्तिका का विमोचन किया। इससे पूर्व बैठक को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव डॉ अनूप चन्द्र पाण्डेय, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबन्ध निदेशक तथा सीईओ पीएस जय कुमार ने भी सम्बोधित किया।